Cyber Security Challenges during Covid19 Times – June 25, 2020

the pioneer
RANCHI | FRIDAY | JUNE 26, 2020

ICFAI UNIVERSITY HOLDS WEBINAR

A webinar was organised by ICFAI University, Jharkhand on "How to manage Cyber Security Challenges during COVID-9 Times" here on Thursday. Simi Deb, European Head, for Security Strategy, IBM , London, the major panellist has over 16 years of experience in providing Strategic Advisory services in the domain of Cyber Security to diverse sectors like Banking, Financial Services, Insurance, Retail, Telecom, Govt etc . The discussion was moderated by Prof O R S Rao, Vice-Chancellor of the University. The discussion covered aspects like the Changed Cyber Threat landscape, due to change in life style of people due to COVID-19, Cyber Security Challenges for individuals and industry, how to address the security challenges, Career Opportunities and growth prospects, for fresh graduates and professionals.

ICFAI varsity webinar on cyber security challenges

MI NEWS SERVICE

RANCHI: A webinar was organised by ICFAI University, Jharkhand on the topic, "How to manage Cyber Security Challenges during COVID-9 Times". Simi Deb, European Head, for Security Strategy, IBM, London, was the major panellist who has over 16 years of experience in providing Strategic Advisory services in the domain of Cyber Security to diverse sectors like Banking, Financial Services, Insurance, Retail, Telecom, Govt etc . The discussion was moderated by Prof O R S Rao, Vice-Chancellor of ICFAI University, Jharkhand.

The discussion covered aspects like the Changed Cyber Threat landscape due to change in life style of people due to COVID-19, Cyber Security Challenges for individuals and industry, how to address the security challenges, Career Opportunities and growth prospects, for fresh graduates and experienced professionals. A lot of students and faculty members and industry professionals from across India actively participated in the discussion, using Video Conferencing facility.

Welcoming the participants to the discussion, Prof Rao said, "This is a part of our "Charcha-Manch" initiative to build industry-awareness among our students, with regard to Cyber Security , which is affecting our day-to-day life , both personally and professionally ". "It is all the more important , considering the recent alert by Cert-IN, Govt of India agency on a possible large scale phishing e-mail attack campaign on Indian citizens , using fake Govt look alike e-mail addresses with subjects related to Free COVID-19 services , enticing them to give away their sensitive personal details ."

Addressing the students, Simi Deb said, "As per various reports, during COVID-19 times, there was 300% increase in threats, 600% increase in Phishing attacks and 25% surge in Ransomware attacks. Since people are forced to go digital, Cyber Criminals are exploiting the situation and scaling up the Cyber Attacks." Deb explained the impact of Cyber attacks on essential service sectors like Power, Healthcare, Banking etc, using case studies from Europe".

She gave several suggestions on how to prevent cyber attacks, which include checking trustworthiness of the source of the e-mails, looking for security certificates for the websites etc. As the current environment may continue for quite some time, there is need for building more awareness and take precautions. Referring to the measures to be taken by Corporates, Ms Deb highlighted the need for formulating Cyber Security and risk management policies and monitors the actions on a continuous basis.

Referring to the career opportunities in Cyber Security sector, Deb highlighted that while spending by Corporates on Cyber Security will go up in a big way, there is a huge skill shortage in this sector.

The career opportunities exist not only for technical roles but also non-technical roles in areas like Risk Management, Compliance and Auditing, which can be taken up by commerce, management and Law graduates also.

She also highlighted the opportunities for freelancing and consulting, working from home, in areas like ethical hacking.

paper.sanmarglive.com
Thu, 25 June 2020
epaper.sanmarglive.com/c/53018549

रांची एक्सप्रेस
रांची शुक्रवार, 26 जून, 2020
सिटी एक्सप्रेस
epaper.ranchiexpress.org
3

आइसीएफएआई विश्वविद्यालय द्वारा कोविद-19 के समय साइबर सुरक्षा चुनौतियों पर वेबिनार आयोजित

संवाददाता

रांची : गुरुवार को आइसीएफएआई विश्वविद्यालय, झारखंड द्वारा कोविद-19 के समय के दौरान साइबर सुरक्षा चुनौतियों का प्रबंधन कैसे कर पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार के प्रमुख पैनलिस्ट सुश्री सिमी देव, यूरोपीय सुरक्षा रणनीति प्रमुख, आईबीएम, लंदन थी जिनको बैंकिंग, वित्तीय सेवा, बीमा, खुदरा, दूरसंचार, जैसे विभिन्न क्षेत्रों के लिए साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में रणनीतिक सलाहकार सेवाएं प्रदान करने में 16 वर्षों का अनुभव है। चर्चा का संचालन इकफाई विश्वविद्यालय, झारखंड के कुलपति प्रो ओआर एस राव द्वारा किया गया।

इस वेबिनार मे कोविद-19 के कारण लोगों की जीवन शैली में आए बदलाव, व्यक्तियों और उद्योग के लिए साइबर सुरक्षा की चुनौतियां, सुरक्षा चुनौतियों का समाधान कैसे किया जाए, नए स्नातकों एवं अनुभवी पेशेवरों के कैरियर के अवसर और विकास की संभावनाओं जैसे पहलुओं को कवर करते हुए चर्चा किया गया। वीडियो कॉन्फ्रेंसिग सुविधा का उपयोग करके भारत भर से बहुत सारे छात्रों और संकाय सदस्यों और उद्योग के पेशेवरों ने सक्रिय रूप से चर्चा में भाग लिया। जो भाग नहीं ले सके, यूट्यूब पर चर्चा देख सकते हैं चर्चा मे सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए, इकफाई विश्वविद्यालय, झारखंड के कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा, की यह साइबर सुरक्षा के संबंध में हमारे छात्रों के बीच उद्योग-जागरूकता का निर्माण करने की हमारी पहल का एक हिस्सा है, जो हमारे दिन-प्रतिदिन के जीवन के दोनों व्यक्तिगत रूप से और पेशेवर रूप से प्रभावित कर रहा है। यह और भी महत्वपूर्ण है की, भारतीय नागरिकों पर संभावित बड़े पैमाने पर मुफ्त कोवीड से संबंधित विषयों के साथ नकली ई-मेल पते का उपयोग करते हुए

कोविद-19 सेवाएं के लिए फ्रॉशिंग ई-मेल हमले किया जा रहा है इसी पर भारत सरकार की ''सिंटफ्किट-इन द्वारा'' हाल ही में अलर्ट पर जारी किया गया है। सुश्री सिमी देव ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा, की ''विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार, कोविद-19 के दौरान, साइबर खतरों में 300% वृद्धि हुई, फ्रॉशिंग हमलों में 600% की वृद्धि और रैनसमवेयर हमलों में 25% की वृद्धि हुई है। चूंकि लोग डिजिटल जाने के लिए मजबूर हैं, और साइबर अपराधी स्थिति का फायदा उठा रहे हैं तथा साइबर हमलों को बढ़ा रहे हैं। सुश्री देव ने यूरोप से केस स्टडी का उपयोग करके आवश्यक सेवा क्षेत्रों जैसे पावर, हेल्थकेयर, बैंकिंग आदि पर साइबर हमलों के प्रभाव को समझाया।

सुश्री देव ने साइबर हमलों को रोकने के लिए कई सुझाव दिए, जिसमें ई-मेल के स्रोत की विश्वसनीयता की जांच करना, वेबसाइटों के लिए सुरक्षा प्रमाण पत्र की तलाश करना आदि शामिल हैं क्योंकि कि मौजूदा माहौल काफी समय तक जारी रह सकता है, ऐसे में अधिक जागरूकता पैदा करने और सावधानी बरतने की जरूरत है। कॉरपोरेट्स द्वारा किए जाने वाले उपायों का उल्लेख करते हुए, सुश्री देव ने साइबर सुरक्षा और जोखिम प्रबंधन नीतियों के निर्माण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

साइबर सुरक्षा क्षेत्र में कैरियर के अवसरों का जिक्र करते हुए, सुश्री देव ने इस बात पर प्रकाश डाला कि साइबर सुरक्षा पर कॉरपोरेट्स द्वारा खर्च करने से बड़े पैमाने पर विकास होगा, इस क्षेत्र में कौशल की भारी कमी है। कैरियर के अवसर न केवल तकनीकी भूमिकाओं के लिए, बल्कि जोखिम प्रबंधन, अनुपालन और लेखा परीक्षा जैसे क्षेत्रों में भी गैर-तकनीकी भूमिकाएँ मौजूद हैं, जिसमे वाणिज्य, प्रबंधन और कानून के स्नातकों के लिए भी है। उन्होंने एथिकल हैकिंग जैसे क्षेत्रों में घर से काम करने और परामर्श देने के अवसरों पर भी प्रकाश डाला।

साइबर खतरों में 300 प्रतिशत की वृद्धि : सिमी

■ इक्फाइ विवि में साइबर सुरक्षा चुनौतियों पर वेबिनार

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

आइबीएम लंदन की यूरोपियन सुरक्षा रणनीति प्रमुख सिमि देब ने कहा है कि विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार कोविड-19 के दौरान साइबर खतरों में 300 प्रतिशत की वृद्धि हुई है. फिशिंग हमलों में 600 प्रतिशत की वृद्धि और रैनसमवेयर हमलों में 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई है. इसका मुख्य कारण लोग डिजिटल पर जाने के लिए मजबूर हैं और साइबर अपराधी स्थिति का फायदा उठा रहे हैं. सुश्री देब गुरुवार को इक्फाइ विवि द्वारा कोविड-19 के दौरान साइबर सुरक्षा चुनौतियों का प्रबंधन कैसे करें विषय पर आयोजित बेविनार में बोल रही थीं.

उन्होंने साइबर हमले को रोकने के लिए सुझाव दिया कि लोग ई-मेल के स्रोत की विश्वसनीयता की जांच करें. वेबसाइट के लिए सुरक्षा प्रमाण पत्र की तलाश करें. किसी भी लिंक को पूरी तरह से परखने के बाद ही उपयोग में लायें.

उन्होंने कहा कि साइबर सुरक्षा पर कॉरपोरेट्स द्वारा खर्च करने से बड़े पैमाने पर विकास होगा. इस क्षेत्र में कौशल की भारी कमी है. विवि के कुलपति प्रो ओआरएस राव ने आगंतुकों का स्वागत किया.

खबर मन्त्र http://khabarmantra.live

web www.khabarmantra.com रांची, शुक्रवार 26 जून 2020

वेबिनार में कोविड-19 के समय साइबर सुरक्षा को जाना

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। इकफाई विश्वविद्यालय, झारखंड द्वारा कोविद-19 के समय के दौरान साइबर सुरक्षा चुनौतियों का प्रबंधन कैसे करें पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया। इस वेबिनार मे कोविद-19 के कारण लोगों की जीवनशैली में आये बदलाव, व्यक्तियों और उद्योग के लिए साइबर सुरक्षा की चुनौतियां, सुरक्षा चुनौतियों का समाधान कैसे किया जाए, नये स्नातकों एवं अनुभवी पेशेवरों के कैं रियर के अवसर और विकास की संभावनाओं जैसे पहलुओं को कवर करते हुए चर्चा की गयी।

सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए इकफाई विश्वविद्यालय झारखंड के कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा कि यह साइबर सुरक्षा के संबंध में हमारे छात्रों के बीच उद्योग-जागरुकता

दोनों व्यक्तिगत रूप से और पेशेवर रूप से प्रभावित कर रहा है। वेबिनार में साइबर सुरक्षा रणनीति यूरोपीय प्रमुख सिमी देब ने कहा कि विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार, कोविड-19 के दौरान, साइबर खतरों में 300 प्रतिशत की वृद्धि हुई। फिशिंग हमलों में 600 प्रतिशत की वृद्धि और रैनसमवेयर हमलों में 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। चूंकि लोग डिजिटल पर जाने के लिए मजबूर हैं, और साइबर अपराधी स्थिति का फायदा उठा रहे हैं तथा साइबर हमलों को बढ़ा रहे हैं। सिमी देब ने यूरोप से केस स्टडी का उपयोग करके आवश्यक सेवा क्षेत्रों जैसे पावर, हेल्थकेयर, बैंकिंग आदि पर साइबर हमलों के प्रभाव को समझाया। उन्होंने साइबर हमलों को रोकने के लिए कई सुझाव दिए, जिसमें ई-मेल के स्रोत की विश्वसनीयता की जांच करना, वेबसाइटों के लिए सुरक्षा प्रमाण पत्र की तलाश करना आदि शामिल है, क्योंकि कि मौजूदा माहौल काफी समय तक जारी रह सकता है। ऐसे में अधिक जागरुकता पैदा करने और सावधानी बरतने की जरूरत है। कॉरपोरेट्स द्वारा किए जाने वाले उपायों का उल्लेख करते हुए उन्होंने साइबर सुरक्षा और जोखिम प्रबंधन नीतियों के निर्माण की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला। साइबर सुरक्षा क्षेत्र में कैरियर के अवसरों का जिक्र करते हुए सुश्री देब ने इस बात पर

आज
राजधानी

इक्फाई विश्वविद्यालय में साइबर सुरक्षा चुनौतियों पर वेबिनार का आयोजन

रांची। इकफाई विश्वविद्यालय, झारखंड द्वारा को. विद-19 के समय के दौरान साइबर सुरक्षा चुनौतियों का प्रबंधन कैसे करें पर एक वेबिनार का आयोजन आज किया गया। वेबिनार के प्रमुख पैनलिस्ट सिमी देब, यूरोपीय सुरक्षा रणनीति प्रमुख, आईबीएम, लंदन थी जिनको बैंकिंग, वित्तीय सेवा, बीमा, खुदरा, दूरसंचार, जैसे विभिन्न क्षेत्रों के लिए साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में रणनीतिक सलाहकार सेवाएं प्रदान करने में 16 वर्षों का अनुभव है। चर्चा का संचालन इकफाई विश्वविद्यालय, झारखंड के कुलपति प्रो.ओआरएस. राव द्वारा किया गया। इस वेबिनार मे कोविद-19 के कारण लोगों की जीवन शैली में आए बदलाव, व्यक्तियों और उद्योग के लिए साइबर सुरक्षा की चुनौतियां, सुरक्षा चुनौतियों का समाधान कैसे किया जाए, नए स्नातकों एवं अनुभवी पेशेवरों के कैरियर के अवसर और विकास की संभावनाओं जैसे पहलुओं को कवर करते हुए चर्चा किया गया।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा का उपयोग करके भारत भर से बहुत सारे छात्रों और संकाय सदस्यों और उद्योग के पेशेवरों ने सक्रिय रूप से चर्चा में भाग लिया। चर्चा मे सभी प्रतिभागियों का स्वागत इकफाई विवि के कुलपति प्रो.ओआरएस. राव ने किया।

इस मौके पर सिमी देब ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा, की विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार, कोविद-19 के दौरान, साइबर खतरों में 300 प्रतिशत वृद्धि हुई, फिशिंग हमलों में 600 प्रतिशत की वृद्धि और रैनसमवेयर हमलों में 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। चूँकि लोग डिजिटल जाने के लिए मजबूर हैं, और साइबर अपराधी स्थिति का फायदा उठा रहे हैं तथा साइबर हमलों को बढ़ा रहे हैं। उन्होंने यूरोप से केस स्टडी का उपयोग करके आवश्यक सेवा क्षेत्रों जैसे पावर, हेल्थकेयर, बैंकिंग आदि पर साइबर हमलों के प्रभाव को समझाया। उन्होंने साइबर हमलों को रोकने के लिए कई सुझाव दिए, जिसमें ई-मेल के स्रोत की विश्वसनीयता की जांच करना, वेबसाइटों के लिए सुरक्षा प्रमाण पत्र की तलाश करना आदि शामिल हैं। कॉरपोरेट्स द्वारा किए जाने वाले उपायों का उल्लेख करते हुए उन्होंने साइबर सुरक्षा और जोखिम प्रबंधन नीतियों के निर्माण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। साइबर सुरक्षा क्षेत्र में कैरियर के अवसरों का जिक्र करते हुए उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि साइबर सुरक्षा पर कॉरपोरेट्स द्वारा खर्च करने से बड़े पैमाने पर विकास होगा, इस क्षेत्र में कौशल की भारी कमी है। कैरियर के अवसर न केवल तकनीकी भूमिकाओं के लिए, बल्कि जोखिम प्रबंधन, अनुपालन और लेखा परीक्षा जैसे क्षेत्रों में भी गैर-तकनीकी भूमिकाएं मौजूद हैं, जिसमे वाणिज्य, प्रबंधन और कानून के स्नातकों के लिए भी है। उन्होंने एथिकल हैकिंग जैसे क्षेत्रों में घर से काम करने और परामर्श देने के अवसरों पर भी प्रकाश डाला।